पाठ्यक्रम

बी.ए. हिन्दी (सब्सिडीएरी)

(2014 - 2015)

हिन्दी विभाग

मानविकी एवं भाषा संकाय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

नई दिल्ली-110025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया : परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना 1920 में अलीगढ़ में हुई थी। यह समय भारत के इतिहास में स्वतंत्रता आंदोलन का था। गांधी जी ने अंग्रेजी सरकार }kj{k चलाए जा रहे शिक्षा संस्थानों का यह कह कर विरोध किया था कि ये राष्ट्रहित के विरोध में काम करते हैं। ख़िलाफ़त तथा असहयोग आंदोलन इसी उद्देश्य के तहत आरंभ किए गए थे। जिन महान लोगों ने गांधी जी की इस आवाज़ पर इन आंदोलनों में भाग लिया उनमें शैख़ुलहिन्द मौलाना महमूद हसन, मौलाना मोहम्मद अली, हकीम अजमल ख़ां, डॉ. मुख़्तार अहमद अंसारी, अब्दुल मजीद ख़्वाजा तथा डॉ. ज़ाकिर हुसैन प्रमुख थे। इन लोगों ने न केवल जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना की, बल्कि इस चमन को अपने ख़ून-पसीने से सींच कर आबाद भी किया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया 1925 में अलीगढ़ से दिल्ली स्थानांतरित हो गई। तब से लेकर आज तक जामिया दिन दूनी रात चौगुनी तरक़्क़ी कर रही है तथा समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम रही है। अपने संस्थापकों के सपनों को साकार करते हुए जामिया अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रयासरत है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापकों का सदैव इस बात पर बल रहा है कि शिक्षा की पारम्परिक जड़ों को मज़बूत किया जाए। जामिया ने इस का हमेशा प्रयास किया है कि छात्रों में देश के इतिहास, उसकी संस्कृति तथा इस्लाम के इतिहास की बेहतर समझ पैदा हो। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर जामिया में

इस्लाम की शिक्षा के साथ-साथ हिन्दू धर्मशास्त्र तथा भारतीय धर्म और संस्कृति जैसे विषयों की शिक्षा का प्रावधान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग करते हुए जामिया के संस्थापकों ने यहाँ के शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा पाठ्यक्रम सम्बंधी गतिविधियों में राष्ट्रीय तथा सार्वभौमिक आयाम जोड़े। इस बात का सदैव ध्यान रखा गया कि जामिया के छात्रों को मूल्य-आधारित शिक्षा दी जाए और उन्हें बेहतर नागरिक बनाने की दिशा में कार्य किया जाए। जामिया के छात्र व्यक्तिगत रुचि के पाठ्यक्रमों को पढ़ते हुए भी सामाजिक उत्तरदायित्व के बोध से वंचित न हों। दूसरे विश्वविद्यालयों की तरह जामिया ने भी तकनीकी शिक्षा, बी.डी.एस, फिजियोथेरेपी, इंजीनियरिंग, कॉमर्स, फ़ाइन **vkVZl**, जनसंचार, सूचना तकनीक तथा विस्तार शिक्षा के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। यहाँ एकेडमिक स्टाफ कॉलेज तथा थर्ड वर्ल्ड स्टडीज़ एवं अध्ययन के विभिन्न केन्द्रों की भी स्थापना की गई है।

जामिया में शिक्षा का माध्यम मुख्य रूप से उर्दू, हिन्दी तथा अंग्रेज़ी है। यहाँ शिक्षा का उद्देश्य उच्च ज्ञान के स्रोत को ज्ञान के दूसरे क्षेत्रों के साथ जोड़ना है। विश्वविद्यालय अपने छात्रों तथा शिक्षकों को शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने की सदैव कोशिश करता है। कुछ प्रमुख बातें इस प्रकार हैं:

(क) शिक्षा में नवीनता लाने के उद्देश्य से समय-समय पर पाठ्यक्रमों में फेरबदल। पढ़ाने के नये-नये तरीक़े तथा व्यक्तित्व विकास पर विशेष बल।
(ख) विभिन्न अनुशासनों में शिक्षा।
(ग) अन्तर-अनुशासनात्मक अध्ययन।
(घ) राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षता तथा अंतर्राष्ट्रीय समझ।

हिन्दी विभाग: संक्षिप्त परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में हिन्दी का पठन-पाठन विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही आरंभ हो गया था। जामिया के संस्थापकों ने हिन्दी भाषा के शिक्षण को यथोचित महत्व दिया। एक लंबे समय तक यहाँ स्नातक स्तर पर ही हिन्दी भाषा एवं साहित्य का अध्ययन-अध्यापन होता रहा। केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनने से कुछ वर्ष पूर्व 1983 में यहाँ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया। एम. ए. के पाठ्यक्रम में शुरू से ही जनसंचार तथा रचनात्मक लेखन को महत्व दिया गया और रचनात्मक लेखन एवं पत्रकारिता को वैकल्पिक प्रश्न पत्र के रूप में पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया। देश के किसी भी विश्वविद्यालय में इस प्रकार का यह पहला पाठ्यक्रम था। सन् 1994 में विभाग में जनसंचारपरक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आरंभ किया गया। इसकी सफलता को देखते हुए सन् 2001 में हिन्दी विभाग में टी. वी. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किया गया। सम्प्रति हिन्दी विभाग में इन दोनों डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अलावा बी. ए. ऑनर्स मास मीडिया (हिन्दी), एम. ए. और एम. फिल् का अध्ययनअध्यापन हो रहा है। सन् 1985 से निरंतर यहाँ शोध-कार्य (पीएच. डी.) भी हो रहा है। विभाग साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन सम्बंधी शोध कार्यों को प्रोत्साहन देता है। हिन्दी विभाग में जामिया का एक अनिवार्य पाठ्यक्रम 'हिन्दू धर्म शास्त्र' भी पढ़ाने की व्यवस्था है।

विभाग के अनेक सदस्य विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किए गए हैं तथा विदेशों में भी हिन्दी अध्यापन का कार्य कर चुके हैं।

विभागीय सदस्य

1. प्रो. दुर्गा प्रसाद गुप्त (अध्यक्ष), एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
2. प्रो. महेन्द्रपाल शर्मा, एम.ए., एम.फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
3. प्रो. हेमलता महिश्वर, एम.ए., बी. एड., एम.फिल्., पीएच. डी. (गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, विलासपुर)
4. डॉ. कृष्ण कुमार कौशिक, एम.ए., एम.फिल्., पीएच. डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
5. डॉ. अनिल कुमार, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़)
6. डॉ. इन्दु वीरेन्द्रा, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
7. डॉ. चन्द्रदेव सिंह यादव, एम.ए., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
8. डॉ. नीरज कुमार, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
9. डॉ. कहकशां एहसान साद, एम.ए., पीएच. डी. (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़)
10. डॉ. विवेक दुबे, एम.ए., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
11. डॉ. दिलीप कुमार शाक्य, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

12. डॉ. अब्दुर्रहमान मुसव्विर, एम. ए., एम. एड., पी.जी. डिप्लोमा मास मीडिया, एम. फिल्., पीएच. डी., (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
13. डॉ. मुकेश कुमार मिरोठा, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
14. डॉ. अजय कुमार नावरिया, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

बी.ए. हिन्दी (सब्सिडीएरी)

अनुक्रम		पृष्ठ सं.
सत्र-1		
पाठ्यक्रम 1	हिन्दी साहित्य का इतिहास- ।	13
सत्र-2		
पाठ्यक्रम2	प्राचीन एवं निर्गुण काव्य	17
सत्र-3		
पाठ्यक्रम3	हिन्दी साहित्य का इतिहास-।।	25
सत्र-4		
पाठ्यक्रम4	हिन्दी कहानी-।	29

बी.ए. हिन्दी (सब्सिडीएरी)

सत्र-1

पाठ्यक्रम 1 हिन्दी साहित्य का इतिहास-I 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई-1 **आदिकाल - सामान्य परिचय**

प्रमुख प्रवृत्तियाँ- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, जैन साहित्य, लौकिक साहित्य

इकाई-2 **भक्ति काल - सामान्य परिचय**

भक्ति आंदोलन

प्रमुख प्रवृत्तियाँ- संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य

इकाई-3 **रीति काल - सामान्य परिचय**

प्रमुख प्रवृत्तियाँ- रीतिबद्ध, रीति सिद्ध, रीति मुक्त

इकाई-4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल	हजारी प्रसाद f}onh
3. हिन्दी साहित्य का अतीत	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	गणपतिचंद्र गुप्त
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. डॉ. नगेंद्र
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास	राम स्वरूप चतुर्वेदी
8. हिन्दी साहित्य का दूसराइतिहास	बच्चन सिंह
9. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास	विश्वनाथ त्रिपाठी

बी.ए. हिन्दी (सब्सिडीएरी)

सत्र-2

पाठ्यक्रम 2 प्राचीन एवं निर्गुण काव्य 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई-1 **आदिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि**

आदिकालीन काव्य की प्रमुख विशेषताएँ
निर्गुण काव्य की पृष्ठभूमि
संत काव्य की प्रवृत्तियाँ
सूफी काव्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई-2 **प्राचीन काव्य : निर्धारित कवि एवं पाठ**

नरपति नाल्ह (बीसलदेव रासो : सं. माताप्रसाद गुप्त)
छंद
1. गउरिका नंदन त्रिभुवन सार
2. नाल्ह रसाइन रसभरि गाइ
3. भोजराज तणउ मिल्यउ छह दिवाण
4. मेल मिली तिहां हरिषयउ राउ
5. सात सहेलीय बइठी छह आइ
6. पाटि बइठीछह राजकुमारी
7. गरब करि वोलियउ सइंभरि वाल
8. थारउ जनम हू उगोरी जेसलमेरी

अमीर खुसरो (अमीर खुसरो : सं. डॉ. परमानंद पांचाल)
गीत
1. बहु तकठिन है डगर पनघट की
2. सगन बन फूल रही सरसों
3. अम्मा मोरे बाबुल को भेजो जी

ग़ज़ल 1. जब यार देखा नैन भर

दोहे 1. खुसरू रैन सोहाग की

2. गोरी सोवै सेज पर

3. वो गए बालम

4.भाई रे मल्लाहो हम

5. सेज सूनी देख के

6. खुसरो ऐसी पीत कर

विद्यापति (विद्यापति पदावली : सं. रामवृक्ष बेनीपुरी)

पद

1. नंदक नंदन कदंबक तरु तर
2. ए धनी कामिनि सुनु हित बानि
3. अभिनव पल्लव बसइक देल
4. कतए गेला मोर बुढ़वा जती
5. माधव, कत तोर करब बड़ाई

इकाई-3 : **निर्गुण काव्य**

कबीर (कबीर : साखी और सबद : सं. पुरुषोत्तम अग्रवाल)

पद

1. संतौ भाई आई ग्यान की आंधी
2. एक निरंजन अलह मेरा
3. एक अचंभा ऐसा भया
4. मोको कहां ढूंढे बंदे

साखी

1. कबीर यहु घर प्रेम का
2. गुर दाधा चेला जल्या
3. पाणी ही तें हिम भया
4. पल की सुधि नहीं
5. जे काटौ तो डहडही
6. कथणी कथी तौ का भया

जायसी (नागमती - वियोग खण्ड : जायसी ग्रंथावली : सं. रामचंद्र शुक्ल)

छंद 1. नागमती चितउर पथ हेरा
2. चढ़ा असाढ़, गगन घन बाजा
3. सावन बरस मेह अति पानी
4. अगहन दिवस घटा निसि बाढ़ी
5. फागुन पवन झकोरा बहा
6. कुहु कि कुहु कि जस कोइल रोई

गुरु नानक देव ((गुरुनानक देव वाणी और विचार : सं. डॉ. रमेशचंद्र मिश्र)

सबद 1. वणजु करहु वणजाहिरो
2. काची गागरि देह दुहेली
3. तेरी नामु करी चनणाठीआ
4. गगन मैं थालु रवि चंदु

साखी 1. जिनी न पाइयो प्रेम रसु
2. घर महि घरु दिखाइ
3. मन का सुतकू लोभु है
4. कलि काती राजे कासाई
5. सभु को निवै
6. सचु वरतु संतोखु

}forh; और तृतीयइकाइयों से व्याख्यात्मक प्रश्न तथा तीनों इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

इकाई-4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमीनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	15X2=30
		व्यावहारिक समीक्षा	10X3=30
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1.	कबीर	हजारीप्रसाद f}onh
2.	जायसी	विजयदेव नारायण साही
3.	सूफी मत: साधना और साहित्य	रामपूजन तिवारी

4.	हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति	श्यामसुंदर शुक्ल
5.	जायसी	सं. सदानंद साही
6.	भक्ति काव्य की भूमिका	प्रेमशंकर
7.	अकथ कहानी प्रेम की	पुरुषोत्तम अग्रवाल
8.	विद्यापति	शिवप्रसाद सिंह
9.	अमीर खुसरो	भोलानाथ तिवारी
10.	गुरुवाणी प्रकाश	हरमहेन्द्र सिंह

बी.ए. हिन्दी (सब्सिडीएरी)

सत्र-3

पाठ्यक्रम 3 हिन्दी साहित्य का इतिहास-।। 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई 1 **आधुनिक काल**

सामाजिक- सांस्कृतिक पृष्ठभूमि युगीन प्रवृत्तियाँ

इकाई 2 **आधुनिक कविता**

भारतेंदु युग, f}onh युग, छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, नई कविता, समकालीन कविता

इकाई 3 **हिन्दी गद्य का विकास**

प्रारंभिक

प्रेमचंदयुगीन

स्वातंत्र्योत्तर

इकाई 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा
3. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	गणपतिचंद्र गुप्त
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. डॉ. नगेंद्र
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	बच्चन सिंह
7. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास	विश्वनाथ त्रिपाठी
8. हिन्दी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँ	नामवर सिंह

बी.ए. हिन्दी (सब्सिडीएरी)

सत्र-4

पाठ्यक्रम 4 हिन्दी कहानी 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई 1 **कहानी का विकास**

प्रारंभिक हिन्दी कहानी

स्वाधीनता पूर्व हिन्दी कहानी

इकाई 2 **निर्धारित कहानियाँ**

1. एक टोकरी भर मिट्टी	माधवराव सप्रे
2. राखीबंद भाई	वृंदावनलाल वर्मा
3. कानों में कंगना	राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह
4. झलमला	पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

इकाई- 3 **निर्धारित कहानियाँ**

5. बूढ़ी काकी	प्रेमचंद
6. गुंडा	जयशंकर प्रसाद
7. पत्नी	जैनेन्द्र
8. परदा	यशपाल

इकाई- 4 उपर्युक्त तीनों इकाइयों से टिप्पणियाँ पूछी जायेंगी।

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1. कहानी नयी कहानी	नामवर सिंह
2. आज की हिन्दी कहानी	विजय मोहन सिंह
3. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति	देवीशंकर अवस्थी
4. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार	विश्वनाथ त्रिपाठी
5. कहानी : समकालीन चुनौतियाँ	शंभु गुप्त
6. हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश	मधुरेश
7. समकालीन कहानी का रचना विधान	गंगा प्रसाद विमल
8. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान	रामदरश मिश्र
9. हिन्दी कहानी का विकास	मधुरेश